मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–008

एम. ए. (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.जे.वाई.-008 : फल-विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. द्वादश भावगत मेषादि चार राशियों के फल का निरूपण कीजिए।

2. द्वादश भावगत (बारहवें भाव में स्थित) धनु आदि चार राशियों के फल का निरूपण कीजिए।

3. द्वादश भावगत (बारहवें भाव में स्थित) बुध, गुरु, शुक्र एवं शनि के फल का विवेचन कीजिए।

4. तनु भाव के महत्त्व, उसकी विविध संज्ञाओं एवं उसमें राशियों के फल पर प्रकाश डालिए।

5. सहज भाव में ग्रहों की स्थिति एवं तृतीयेश की द्वादश भावों में स्थिति का फल-विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

6. कर्मफल को व्याख्यायित करते हुए उसके आलोक में पुरुषार्थ चतुष्ट्य की विवेचना कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. बारहवें भाव में तुला राशि के फल का सोदाहरण विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

8. बारहवें भाव में केतु के फल का निरूपण कीजिए।

9. सन्तति भावगत राशियों के फल का निरूपण कीजिए।

10. दाम्पत्य भाव के कारकों का विवेचन कीजिए।

11. नवम भाव में स्थित गुरु पर दो या दो से अधिक ग्रहों की दृष्टि के फल का निरूपण कीजिए।

12. ज्योतिष की दृष्टि से पठित अंश के आधार पर आजीविका का विचार कीजिए।

13. ज्योतिष की दृष्टि से लाभ के योगों का निरूपण कीजिए।

14. द्वादश भाव में सूर्यादि ग्रहों की स्थिति के फल का निरूपण कीजिए।

× × × × ×